

रिपोर्ट

कर्मचारी राज्य बीमा निगम क्षेत्रीय कार्यालय, पंजाब (चंडीगढ़) ने नराकास के तत्वाधान में पी.पी.टी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया

क्षेत्रीय कार्यालय, कर्मचारी राज्य बीमा निगम, पंजाब (चंडीगढ़) द्वारा दिनांक 02.09.2025 को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, कार्यालय-1, चंडीगढ़ के तत्वाधान में हिंदी में पावर प्वाइंट प्रस्तुतीकरण प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया। इस प्रतियोगिता का शुभारंभ क्षेत्रीय निदेशक श्री पंकज वोहरा, उप निदेशक (राजभाषा) सह नराकास सचिव, सुश्री नीना मल्होत्रा, वरिष्ठ निदेशक, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र, हरियाणा श्री गणेश दत्त, सहायक निदेशक श्री अश्वनी कुमार सेठ व सहायक निदेशक(राजभाषा) श्री मनोज तंवर ने पंचदीप प्रज्जवलन कर किया।

प्रतियोगिता में चंडीगढ़ स्थित केंद्र सरकार के विभिन्न कार्यालयों तथा उपक्रमों के 30 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। प्रतिभागियों ने विभिन्न विषयों यथा ऑपरेशन सिंदूर, कृत्रिम बुद्धिमता, अंगदान-सर्वश्रेष्ठ दान, समानता के संतुलन में पुरुष कहाँ है, मुद्राशास्त्र-अतीत से वर्तमान तक, जलवायु परिवर्तन और पंजाब में बाढ़ इत्यादि विषयों पर प्रस्तुति दी।

कर्मचारी राज्य बीमा निगम के सहायक निदेशक (राजभाषा) ने उक्त आयोजित कार्यक्रम में क.रा.बी.योजना के अंतर्गत मिलने वाले हितलाभों के संबंध में भी लघु फिल्म के प्रदर्शन के माध्यम से आगंतुक प्रतिभागियों को अवगत कराया।

प्रतियोगिता में निर्णायक के तौर पर सुश्री नीना मल्होत्रा, उप निदेशक (राजभाषा) सह नराकास सचिव, श्री गणेश दत्त, वरिष्ठ निदेशक, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र, हरियाणा एवं श्री अश्वनी कुमार सेठ, सहायक निदेशक रहे।

कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी, श्री कुमार रविशंकर तथा कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी, सुश्री नेहा शर्मा ने किया।

इस तरह के आयोजनों से कर्मचारियों की कार्यकुशलता पर सकारात्मक असर पड़ता है व साथ ही उनके आत्मविश्वास को भी बढ़ाते हैं। प्रतियोगिता में विभिन्न विषयों पर प्रस्तुति देने से विभिन्न विषयों की जानकारी मिलती है और सोचने का तरीका भी विकसित होता है।

यह आयोजन खासकर राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए भी महत्वपूर्ण है। सरकारी कार्यालयों में हिंदी को प्रमुख रूप से प्रोत्साहित किया जा रहा है और इस तरह की पहल लोगों को हिंदी में प्रस्तुति देने के लिए प्रेरित करती हैं। यह एक सकारात्मक दिशा में उठाया गया कदम है, जो न केवल भाषा के प्रति सम्मान को बढ़ाता है, बल्कि कार्यस्थल पर संवाद की गुणवत्ता को भी सुधारता





